कब होगी कृपा तेरी | By Harish Magan Saini

कब होगी किरपा तेरी ओ बाबा मुझे दर पे बुलाओगे
दर पे बुलाओगे ओ बाबा कब गले से लगाओगे
कब होगी कृपा तेरी .....

कब आएगी घडी सुहानी
फागुन जैसी रुत मस्तानी
चमकेगी किस्मत मेरी प्यास नैनो की बुझाओगे
कब होगी कृपा तेरी .....

पूरी होगी कब मेरी आशा
किस दिन होगी दूर निराशा
रात है अँधेरी ओ बाबा कब सूरज दिखाओगे
कब होगी कृपा तेरी .....

जग सागर में जीवन नैया
तुम बिन इसका कौन खिवैया
तूफ़ान में कश्ती घिरी ओ बाबा कब पार लगाओगे
कब होगी कृपा तेरी .....

खाटू वाले लौ तुमसे लागी
दर्शन चाहे भुल्लन त्यागी
कितनी करोगे देरी और कितना तड़पाओगे
कब होगी कृपा तेरी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%ac-%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%83%e0%a4%aa%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-harish-magan-saini/